रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 25 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 77 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

नीतीश कुमार निर्विरोध जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए

पटना। Nitish Kumar एक बार फिर जनता दल यूनाइटेड (JD(U)) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं। इस बार उनका चुनाव निर्विरोध हुआ, क्योंकि अध्यक्ष पद के लिए कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में नहीं उतरा। यह लगातार पांचवीं बार है जब नीतीश कुमार पार्टी की कमान संभाल रहे हैं। उनके नेतृत्व पर पार्टी के अंदर भरोसा और पकड़ को इस चुनाव से मजबूती मिली है।

पार्टी में मजबूत पकड़

जेडीयू के भीतर नीतीश कुमार का कद लगातार बना हुआ है। पार्टी के संगठन और रणनीति दोनों में उनकी भूमिका निर्णायक मानी जाती है। ऐसे समय में जब पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन और भविष्य की रणनीति को लेकर चर्चा चल रही है, उनका दोबारा अध्यक्ष बनना स्थिरता का संकेत माना जा रहा है। राजनीतिक मायने विशेषज्ञों के अनुसार, यह फैसला बिहार और राष्ट्रीय राजनीति दोनों के लिहाज से अहम है। नीतीश कुमार हाल ही में राज्यसभा के लिए भी चुने गए हैं, जिससे उनके राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रहने के संकेत मिलते हैं। कुल मिलाकर, जेडीयू ने एक बार फिर अपने सबसे अनुभवी चेहरे पर भरोसा जताया है, जिससे आने वाले चुनावों और राजनीतिक समीकरणों पर सीधा असर पड़ सकता है।

ट्रंप के 'सीक्रेट डील' दावे से ईरान में मचा सियासी तूफान, IRGC में फूट की अटकलें तेज, गालिबाफ का नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के एक दावे ने ईरान की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने यह संकेत दिया कि उनकी ईरान के एक प्रभावशाली नेता के साथ गुप्त बातचीत चल रही है, जिसके बाद तेहरान के सत्ता गलियारों में बेचैनी साफ दिखाई देने लगी है। हालांकि, ईरान के शीर्ष नेताओं ने एक सुर में इन दावों को खारिज करते हुए इसे महज अफवाह बताया है, लेकिन अंदरखाने चल रही गतिविधियां कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। ईरान की सत्ता संरचना को समझने वाले विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सहमति न हो, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी तरह की डील संभव नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर वह कौन है, जिससे ट्रंप बातचीत का दावा कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सबसे चर्चित नाम बनकर उभरे हैं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद-बाकर गालिबाफ। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह चर्चा तेजी से फैल रही है कि गालिबाफ ही वह शख्स हो सकते हैं जो पर्दे के पीछे से अमेरिका के साथ बातचीत की कड़ी बने हुए हैं। गालिबाफ का राजनीतिक और सैन्य अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए अहम बनाता है। वह IRGC की एयरोस्पेस फोर्स के पूर्व कमांडर रह चुके हैं, ईरान के पुलिस प्रमुख भी रहे हैं और तेहरान के मेयर के रूप में भी काम कर चुके हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मार्को रूबियो से की बात, पश्चिम एशिया संघर्ष और ऊर्जा सुरक्षा पर हुई चर्चा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री से फोन पर बात की। इस दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष और ऊर्जा सुरक्षा पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, "अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ फोन पर विस्तार से बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य विषय पश्चिम एशिया का संघर्ष और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उसका प्रभाव था।" जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर भी ध्यान केंद्रित किया और एक-दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

सीएम योगी का निर्देश: कार्यकर्ताओं की समस्याओं को हल करें मंत्री, संघ के साथ बैठक में आईं थीं ये शिकायतें

कैबिनेट के बाद सोमवार को सभी मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक की। मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संवेदनशीलता से निस्तारित करें। हाल ही में भाजपा के छह सांगठनिक क्षेत्रों में हुई समन्वय बैठकों के बाद कार्यकर्ताओं और संघ पदाधिकारियों से मिले फीडबैक में मंत्रियों के व्यवहार और शिकायतों की अनदेखी की बात सामने आई थी। इसी के मद्देनज़र मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के बाद मंत्रियों के साथ विशेष चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने प्रभारी मंत्रियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जिलों का नियमित दौरा करें और जिला, मंडल व ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की समस्याओं का यथासंभव तत्काल समाधान किया जाए, और यदि किसी कारणवश देरी हो तो संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। इसके साथ ही वर्तमान में एलपीजी की कमी को देखते हुए गैस सिलेंडर आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए। मंत्रियों से खाद की उपलब्धता का आकलन करने और आपूर्ति सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी वंचित न रह जाए।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 10 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान में कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से न छूटे। जिन क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या कम है, वहां फॉर्म-6 भरवाने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए। बजट खर्च की रफ्तार बढ़ाएंइसके अलावा, मुख्यमंत्री ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट पर शीघ्र कार्य शुरू करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि अप्रैल में ही कार्ययोजनाएं स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ किया जाए।

देवी के अष्टम स्वरूप मां महागौरी (कुंडलिनी शक्ति) के प्राकट्य से अज्ञान रूपी अंधकार का नाश होता है

अपना भारत देश शक्ति का पुजारी है । नवरात्रि में शक्ति के विविध रूपों का पूजन-अर्चन एवं ध्यान किया जाता है। भगवती दुर्गा माँ के आठवें स्वरूप का नाम महागौरी है। देवी की यह शक्ति अमोघ है व इनकी आराधना उत्तम फल प्रदान करती है। इनकी उपासना से साधक के समस्त दोष नष्ट हो जाते हैं।

सहजयोग संस्थापिका प. पू श्री माताजी निर्मला देवी जी ने व्याख्या की है कि, नवरात्रि के आठवें दिन हम महागौरी का ध्यान करते हैं जिन्हें आदिकुंडलिनी भी कहा गया है। श्री महागौरी स्वरुपिणी देवी ने आपको आत्मसाक्षात्कार दिया है क्योंकि वे आपमें अपना प्रतिबिंब देखना चाहती हैं। कुंडलिनी शक्ति देवी भगवती की इच्छाशक्ति है। कुंडलिनी मात्र कल्पना न होकर मानव के अन्तःस्थित जीवंत शक्ति है। यह शक्ति सभी मनुष्यों में है और सहजयोग द्वारा सामान्य मनुष्य में स्वतः ही इसकी जागृति घटित हो जाती है। कुंडलिनी धर्म परायण है और यह माँ साक्षी भाव में हैं। फिर भी

यह जानती हैं कि व्यक्ति के अंदर क्या अच्छाई है और क्या बुराई। कुंडलिनी की कृपा से शरीर व मन के रोग दूर हो जाते हैं। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति के शरीर से प्रसारित होने वाली चैतन्य लहरियां, उसके शरीर, मन एवं अहंकार रूपी आवरणों को स्वच्छ कर देती हैं। मानव में स्थित महागौरी स्वरुपिणी कुंडलिनी शक्ति विशुद्ध प्रकाश पुंज के रूप में सहस्त्रार को प्रकाशित करती है। मां महागौरी को बल मेधा शक्ति से प्राप्त होता है, जिसकी वृद्धि व संतुलन ध्यान द्वारा संभव है। नियमित ध्यान के अभ्यास से मेधा शक्ति बलवती होकर ज्ञान, ज्ञाता व ज्ञेय को समग्र कर देती है और साधक को पूर्ण व शाश्वत सत्य का साक्षात् प्राप्त होता है। जिस प्रकार सूर्योदय के साथ ही अंधकार का नाश हो जाता है, उसी प्रकार मानव में महागौरी के प्राकट्य से समस्त अज्ञान, विकार और अंधकार ओझल हो जाता है और समस्त चक्रों व नाड़ियों की शक्ति का प्रवाह सहस्त्रार केंद्र में होने लगता है। इसके साथ ही मानव का महामानव और परमहंस के रूप में पुनर्जन्म हो जाता है। इस नवरात्रि आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

आठवें वेतन आयोग में केंद्रीय कर्मचारियों को बंपर सैलरी बढ़ोतरी के साथ मिल सकता है 15 लाख तक का एरियर

नई दिल्ली:8वें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों के बीच सुगबुगाहट तेज हो गई है. हर कोई यह जानना चाहता है कि इस बार उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा और कितना एरियर (Arrears) उनके खाते में आएगा. इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि फिटमेंट फैक्टर क्या होगा?खासकर उन कर्मचारियों के लिए यह खबर किसी लॉटरी से कम नहीं है, जिनकी बेसिक सैलरी 50,000 रुपये से कम है.50,000 से कम बेसिक सैलरी वालों को उम्मीद है कि इस बार उनकी कमाई में बड़ा उछाल आएगा क्योंकि कैलकुलेशन के हिसाब से अलग-अलग फिटमेंट फैक्टर के आधार पर उन्हें सैलरी के साथ-साथ लाखों रुपये का एरियर भी मिल सकता है।

कर्मचारियों, पेंशनर्श और यूनियनों से उनके सुझाव मांगे हैं. 8वें वेतन आयोग में सबसे बड़ा रोल फिटमेंट फैक्टर का होता है. यही तय करता है कि आपकी बेसिक सैलरी कितनी बढ़ेगी.अभी अलग-अलग यूनियनों ने 2.0, 2.15, 2.28 और 2.57 जैसे फैक्टर सुझाए हैं. कुछ संगठन इसे 3.0 से 3.25 तक ले जाने की मांग भी कर रहे हैं ताकि कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी बढ़ सके कर्मचारी यूनियनों FNPO और AIDEF ने मांग की है कि फिटमेंट फैक्टर को 3.0 से 3.25 के बीच रखा जाए. साथ ही, मांग यह भी है कि सैलरी तय करते समय परिवार के 3 सदस्यों के बजाय 5 सदस्यों के खर्च को आधार बनाया जाए. हालांकि, सरकार इस पर अंतिम फैसला लेने में अभी एक साल से ज्यादा का समय ले सकती है. याद दिला दें कि 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा गया था.

लेवल 1 से 8 तक के कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी- 7वें वेतन आयोग के पे-मैट्रिक्स के अनुसार, लेवल 1 से लेकर लेवल 8 तक के कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 50,000 रुपये से कम है.7वें वेतन आयोग के अनुसार Level 1 से Level 8 तक कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 18,000 से 47,600 के बीच है।

Fitment Factor के हिसाब से नई बेसिक सैलरी कितनी होगी?- अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर लागू होता है, तो सैलरी में बड़ा बदलाव दिख सकता है.अगर सरकार अलग-अलग फिटमेंट फैक्टर (2.0 से 2.57) चुनती है, तो आपकी बेसिक सैलरी कुछ इस तरह बढ़ेगी।

हर महीने बेसिक सैलरी में कितनी होगी बढ़ोतरी?- सिर्फ सैलरी ही नहीं, हर महीने मिलने वाली बढ़ोतरी भी काफी अहम है.यानि हर महीने हजारों रुपए ज्यादा मिलने की उम्मीद है.इसका मतलब है कि हर लेवल पर कर्मचारियों की इनकम में बड़ा इजाफा देखने को मिल सकता है। कब से मिलेगा एरियर का पैसा?- 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2025 को खत्म हो चुका है. ऐसे में माना जा रहा है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी, 2026 से लागू मानी जाएंगी. इसका मतलब है कि जब भी नया पे-कमीशन लागू होगा, कर्मचारियों को जनवरी 2026 से लेकर लागू होने तक की अवधि का पूरा एरियर दिया जाएगा. अगर 8वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू होता है और 20 महीने का एरियर मिलता है।

ट्रंप के 'सीक्रेट डील' दावे से ईरान में मचा सियासी तूफान, IRGC में फूट की अटकलें तेज, गालिबाफ का नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के एक दावे ने ईरान की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने यह संकेत दिया कि उनकी ईरान के एक प्रभावशाली नेता के साथ गुप्त बातचीत चल रही है, जिसके बाद तेहरान के सत्ता गलियारों में बेचैनी साफ दिखाई देने लगी है। हालांकि, ईरान के शीर्ष नेताओं ने एक सुर में इन दावों को खारिज करते हुए इसे महज अफवाह बताया है, लेकिन अंदरखाने चल रही गतिविधियां कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। ईरान की सत्ता संरचना को समझने वाले विशेषज्ञ मानते हैं कि जब तक सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सहमति न हो, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी तरह की डील संभव नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर वह कौन है, जिससे ट्रंप बातचीत का दावा कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सबसे चर्चित नाम बनकर उभरे हैं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद-बाकर गालिबाफ। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में यह चर्चा तेजी से फैल रही है कि गालिबाफ ही वह शख्स हो सकते हैं जो पर्दे के पीछे से अमेरिका के साथ बातचीत की कड़ी बने हुए हैं। गालिबाफ का राजनीतिक और सैन्य अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए अहम बनाता है। वह IRGC की एयरोस्पेस फोर्स के पूर्व कमांडर रह चुके हैं, ईरान के पुलिस प्रमुख भी रहे हैं और तेहरान के मेयर के रूप में भी काम कर चुके हैं। इस तरह सत्ता और सुरक्षा तंत्र दोनों पर उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है।

जैसे ही उनका नाम इस कथित 'सीक्रेट डील' से जुड़ा, ईरान के भीतर हलचल और तेज हो गई। खुद को विवादों में घिरता देख गालिबाफ को सामने आकर सफाई देनी पड़ी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इन सभी खबरों को पूरी तरह झूठा बताते हुए खारिज कर दिया। उनका कहना है कि अमेरिका जानबूझकर इस तरह की खबरें फैला रहा है ताकि अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को प्रभावित किया जा सके।

गालिबाफ ने यह भी आरोप लगाया कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार पहुंच चुकी हैं और ट्रंप का यह बयान केवल बाजार को शांत करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और न ही अमेरिका के साथ किसी प्रत्यक्ष वार्ता की शुरुआत हुई है।

हालांकि, इस पूरे मामले में एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब गालिबाफ ने खुद यह स्वीकार किया कि कुछ मित्र देशों के जरिए अमेरिका ने बातचीत का प्रस्ताव जरूर भेजा था। लेकिन तेहरान ने अब तक उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बयान ने अटकलों को और हवा दे दी है कि पर्दे के पीछे कुछ न कुछ जरूर चल रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह सब केवल राजनीतिक बयानबाजी है या वास्तव में ईरान के सत्ता ढांचे के भीतर कोई दरार उभर रही है। अगर ऐसा है, तो इसका असर न केवल मध्य-पूर्व की राजनीति पर पड़ेगा, बल्कि वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर भी गहरा प्रभाव देखने को मिल सकता है।

जनसुनवाई संपन्न: कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुनीं जनसमस्याएँ

कई प्रकरणों का किया मौके पर त्वरित समाधान

आदित्य शर्मा

इंदौर। किसी को मिली इलाज के लिए सहायता, किसी को मिली जीवन में नई रफ्तार हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जताया आभार

इंदौर। हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया, जबकि अन्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने किसी को इलाज, तो किसी को मोट्रेट ट्राईसिकल के लिए मदद स्वीकृत की। जनसुनवाई के दौरान मानवीय संवेदना से जुड़े कई प्रकरण सामने आए, जिनमें त्वरित राहत प्रदान की गई। एक मामले में श्रीमती आरती अपने पति के उपचार के लिए सहायता की अपेक्षा लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनके पति के कई ऑपरेशन हो चुके है। लगातार इलाज चल रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर उन्हें तत्काल जरूरी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई और आगामी उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। परिजनों ने इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण में आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्ग दंपत्ति अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। परिवार की स्थिति और उनकी जरूरतों को देखते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने त्वरित निर्णय लेते हुए सहायता राशि स्वीकृत की तथा बुजुर्ग दिव्यांग भीमसिंह को इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल प्रदान करने के निर्देश दिए। इससे उन्हें आजीविका का साधन उपलब्ध हो सकेगा तथा भीमसिंह के जीवन में नई रफ्तार आएगी। उनकी पत्नी श्रीमती संतोष सिंह ने बताया कि इस सहायता से उनके परिवार को जीने की नई उम्मीद मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद किया। एक अन्य प्रकरण में दुर्घटना में घायल हुए रामकिशोर ने अपनी समस्या रखते हुए बताया कि एक दुर्घटना में कंधे की हड्डी टूट गई। इसके इलाज की जरूरत है। कलेक्टर श्री वर्मा ने उन्हें निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और कहा कि उनका ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता एवं रोजगार से संबंधित प्रकरण शामिल रहे। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सभी मामलों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

जनसुनवाई के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुंच सके।

मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की

कृषिमहाविद्यालय इंदौर के छात्रों ने एक प्रेरणादायक पहल की। सोमवार को महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. भावना तोमर एवं उनके परिवार के सदस्यों का भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए बॉम्बे हॉस्पिटल इंदौर में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत को देखते हुए रक्त की तत्काल आवश्यकता बताई गई। जैसे ही यह सूचना कृषि महाविद्यालय के छात्रों तक पहुंची, उन्होंने बिना देर किए एकजुट होकर रक्तदान के लिए अस्पताल का रुख किया। छात्रों ने न केवल आवश्यकता पूरी की, बल्कि 15 यूनिट से अधिक रक्तदान कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। इस दौरान छात्रों में सेवा भाव और अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान स्पष्ट रूप से देखने को मिला। रक्तदान अभियान के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े निक्की धाकड़ एवं लक्ष्मण तोमर भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उनकी उपस्थिति में छात्रों ने संगठित रूप से इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। इस पहल ने यह साबित कर दिया कि युवा वर्ग न केवल शिक्षा के क्षेत्र में आगे है, बल्कि समाज सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कठिन समय में जिस तरह छात्रों ने तत्परता दिखाई, वह समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश

इंदौर में राजस्व वसूली अभियान तेज

बकायादारों पर सख्त कार्रवाई- पेट्रोल पंप किया गया सील

आदित्य शर्मा

इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में राजस्व बकाया वसूली के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बकाया राशि जमा नहीं करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील कनाडिया के ग्राम छिटकाना में स्थित एक रिलायंस पेट्रोल पंप को सील किया गया। संबंधित पेट्रोल पंप पर डायवर्शन टैक्स के रूप में 2 लाख 35 हजार रुपए की बकाया राशि लंबित थी। बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं करने पर प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई की गई। राजस्व बकाया की वसूली के लिए जिला प्रशासन का यह अभियान लगातार जारी रहेगा और बकायादारों के विरुद्ध इसी तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी की जाएगी।

अटाहेड़ा में बिजली विभाग की कार्यवाही से किसानों का गुस्सा फूटा

देपालपुर क्षेत्र के अटाहेड़ा में बिजली बिल बकाया वसूली को लेकर रविवार को बिजली विभाग के जेई और कर्मचारियों की कार्यवाही ने ग्रामीणों और किसानों को नाराज कर दिया। जलालपुर और खीमलावदा गांवों में विभागीय टीम ने बाइक, लहसुन के कट्टे, पानी की मोटर और टेंट हाउस की कुर्सियाँ तक जप्त कर लीं। किसानों का आरोप है कि जब्ती की कोई रसीद नहीं दी गई और अधिकारी बिना संवाद किए सामान उठाकर चले गए। गुस्साए किसानों ने अधिकारियों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में अधिकारी गाड़ी के अंदर बैठे अपना चेहरा छुपाते नजर आए। किसानों ने सवाल उठाया कि रविवार के दिन वसूली क्यों की गई और बिना रसीद दिए सामान उठाना क्या सही तरीका है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से निवेदन किया कि गेहूं की फसल तैयार है और कुछ ही दिनों में बिकेगी, तब वे बिजली बिल का भुगतान कर देंगे। लेकिन जेई ने उनकी बात नहीं सुनी और कार्यवाही जारी रखी। किसानों ने कहा कि जब तक फसल नहीं बिकती, वे बकाया बिल नहीं चुका पाएंगे। इस घटनाक्रम के बाद किसानों का एक धड़ा कलेक्टर के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है।

जिले में अच्छे कार्य करने वालों को मिलेगा प्रोत्साहन एवं कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर होगी कार्रवाई

आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण तथा विभिन्न प्राथमिकता वाले विषयों की समीक्षा हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से राजस्व अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि जिले में 28 फरवरी तक लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह तथा श्री एन.एन. पाण्डे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार आमजन को समय पर योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का समय पर निराकरण करने के लिए संचालित सीएम हेल्पलाइन, संकल्प से समाधान अभियान एवं अन्य विशेष अभियानों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंदौर जिले की सीएम हेल्पलाइन में परफॉर्मेंस लगातार बेहतर हुई है, जिसे और अधिक सुधारने के प्रयास किए जाएं।

बैठक में चल रहे विशेष राजस्व अभियान की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि यह अभियान 13 मार्च से प्रारंभ हुआ है। इस अभियान के तहत 31 मार्च तक विगत 28 फरवरी तक लंबित बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण एवं कब्जा विवाद जैसे प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने लंबित प्रकरणों को अभियान अवधि में ही निराकृत करने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने विद्युत सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली के खंभों एवं डीपी पर लगे अनावश्यक तारों और जाल को तत्काल हटाया जाए। साथ ही सभी डीपी एवं तारों की जांच कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर दिया, क्योंकि वर्तमान में फसल कटाई के दौरान आग लगने की आशंका बनी रहती है।

खाद्य सुरक्षा के संबंध में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार निरंतर सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में डेयरी एवं दूध विक्रेताओं के यहां विशेष अभियान चलाकर सैंपल लिए जा रहे हैं। इनकी जांच के बाद गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य अभियानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि अच्छे कार्य करने वालों को प्रोत्साहन एवं कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई दोनों सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा इंदौर जिले से संबंधित विकासात्मक गतिविधियों और आधारभूत जानकारियों पर आधारित विकास पुस्तिका का विमोचन भी किया। बैठक में जिले में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की गई। निर्देश दिए गए कि जल संरक्षण और संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में बुजुर्ग लेकर आए थे प्लाट पर कब्जे की समस्या, पुलिस के मध्यस्थता केंद्र के प्रयासों से मिला समाधानं

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने जनसुनवाई में प्रत्येक आवेदक की समस्या सुन.., दिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण हेतु दिशा निर्देश

आदित्य शर्मा

इंदौर- मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का निराकरण करनें एवं समस्याओं का त्वरित समाधान करनें के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती हैं। जिसके तारतम्य में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 24.03.26 को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई में आमजन की शिकायत एवं समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दियें। जनसुनवाई के दौरान आज 67 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमे प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन, सुनवाई न होने, प्लाट/ जमीन की धोखाधड़ी संबंधी विवाद, महिला अपराध संबंधी एवं अन्य पुलिस से संबंधित समस्याओं लेकर आमजन आए। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक की व्यथा व समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान अति पुलिस आयुक्त (अप./मुख्यालय) इंदौर श्री आर. के. सिंह एवं सभी जोन के अन्य अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं विस्तार पूर्वक सुन कार्यवाही की गई।

आज की जनसुनवाई में एक बुजुर्ग आवेदक भी उपस्थित हुए, जो की पूर्व में अपने प्लाट पर उनके काका के लड़के द्वारा कब्जा करने की शिकायत लेकर आए थे, और पुलिस कमिश्नर को अपनी व्यथा सुनाई थी, जिस पर उनकी समस्या के निराकरण हेतु इंदौर पुलिस की मध्यस्थता केंद्र को निर्देशित किया गया था, मध्यस्थता केंद्र के काउंसलर द्वारा आवेदक और अनावेदक को समझाइश दी गई और उनकी आपसी सहमति से उनके प्लाट के कब्जे की समस्या का निराकरण करवाया गया है, जिससे संतुष्ट होकर वह आज पुनः आए और इंदौर पुलिस को धन्यवाद दिया गया ।

दूध में मिलावट की जांच हेतु विशेष अभियान प्रारंभ, विभिन्न क्षेत्रों से 18 नमूने लिए गए

आदित्य शर्मा

इंदौर। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरूद्ध की जायेगी सख्त कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की जांच के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में 23 मार्च को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान विभिन्न डेयरी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने जांच हेतु लिए गए। इस कार्रवाई के अंतर्गत जोशी दूध दही भंडार, संविद नगर कनाडिया रोड से दूध के 04 नमूने, ओसवाल डेरी संविद नगर कनाडिया रोड से दूध के 03 नमूने तथा गणेश दूध दही भंडार स्वामी विवेकानंद नगर से दूध के 03 नमूने लिए गए।

इसी क्रम में पूजा डेरी वैभव नगर से दूध एवं मावा के 02 नमूने, सोनू राजा डेरी गुलजार कॉलोनी चौराहा से मिश्रित दूध का 01 नमूना, गीता डेरी आनंद बाजार (प्रोपराइटर श्री भरत पाटीदार) से दूध, पनीर एवं दही के कुल 03 नमूने तथा महावीर डेरी आनंद टावर साकेत चौराहा से गाय के दूध का 01 नमूना जांच हेतु संकलित किया गया। सुपर मिल्क प्रोडक्ट साकेत स्क्वेयर इंदौर से चोको हेजलनट मिल्क का 01 नमूना लिया गया। इस प्रकार आज की कार्रवाई में कुल 18 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पालन करने, परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा। प्रयोगशाला से विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के

पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा बताया गया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले या खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें अभियान" के तहत निरंतर कार्यक्रम कर, किया जा रहा है जनजागरूकता प्रयास

आदित्य शर्मा

इंदौर पुलिस कमिश्नर इंदौर की अगुवाई में, अभी तक 24 हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित कर, 3800 से ज्यादा हेलमेट जरूरतमंदों को किये है प्रदाय। इंदौर पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए, किया जा रहा है वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट धारण सहित यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित।

इंदौर- सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। इसी कड़ी में आज दिनाँक 24 मार्च 2026 शहर के पलासिया चौराहे पर पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आरके सिंह, पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति

में इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 24 वाँ 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें वृहद जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस कमिशनर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा युवा, बुजुर्ग, जरूरतमंद ऐसे वाहन चालक जिनके पास रजिस्ट्रेशन लाइसेंस दस्तावेज पूर्ण थे उन्हें हेलमेट प्रदान किए गए। ऐसे वाहन चालकों द्वारा नियमो का उल्लंघन करने पर पहले चालान किया गया फिर सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी दिया। ऐसे भी जिम्मेदार दोपहिया वाहन चालक इस अभियान में सम्मिलित हुए जो स्वेच्छा से हेलमेट लगाएं मिले, पुलिस कमिश्नर व अधिकारियों द्वारा ऐसे जिम्मेदार चालको की प्रशंसा करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार भी प्रदान किए गए। सड़क सुरक्षा का महत्व समझाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, और अभी तक 24 कार्यक्रमों में 3800 से ज्यादा हेलमेट भी वितरित किए गए हैं, ताकि वाहन चालक हादसों की गम्भीरता को समझें और नियमों का पालन करें। पुलिस कमिश्नर ने वाहन चालकों से यह भी कहा कि लगातार इन्दौर शहर के सुगम, सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए आमजन मानस को जागरूक करने व सड़क सुरक्षा में उनकी सहभागिता के लिए नित नए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों उद्देश्य यही है कि वाहन चालक सड़क सुरक्षा नियमों की गंभीरता को समझे व स्वेच्छा से यातायात नियमों का पालन करें। इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए जिम्मेदार वाहन चालकों को आगे आना चाहिए और अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना चाहिए। वाहन चालकों ने भी पुलिस कमिश्नर से अपने अनुभव साझा करते हुए, संकल्प लिया कि ना केवल हम यातायात नियमों का पालन करेंगे बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित करेंगे।

"बिना GST के बिलों पर हरी झंडी! धुंधले बिलो पंचायत में बड़ा खेल जिम्मेदारी भी धुधली"

धार जिले के जनपद पंचायत उमरबन अंतर्गत ग्राम पंचायत ईश्केपुर में विकास कार्यों के नाम पर किए गए लाखों रुपए के भुगतान अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, जिन बिलों के आधार पर राशि स्वीकृत की गई, उनमें कई जगह GST नंबर का उल्लेख तक नहीं है, जिससे पूरे वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता संदिग्ध नजर आ रही है। सूत्रों का कहना है कि अधूरे दस्तावेजों के बावजूद बिल पास कर दिए गए, जो सीधे तौर पर शासन द्वारा तय वित्तीय नियमों की अनदेखी को दर्शाता है।

इस मामले ने पंचायत स्तर पर हो रहे कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में तकनीकी स्वीकृति देने वाले इंजीनियर की भूमिका भी जांच के घेरे में आ गई है। अब यह बड़ा सवाल बन गया है कि आखिर बिना जरूरी दस्तावेजों के आधार पर भुगतान की अनुमति कैसे दी गई? जब इस पूरे मामले को लेकर ग्राम पंचायत ईश्केपुर के सचिव से संपर्क कर उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

ग्राम पंचायत स्तर पर इस तरह की अनियमितताएं न सिर्फ सरकारी धन के उपयोग पर प्रश्नचिन्ह लगाती हैं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी कटघरे में खड़ा करती हैं। अब नजर इस बात पर है कि संबंधित विभाग इस मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करता है। या फिर मामला फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

पुलिस कमिश्नर इंदौर ने, अवैध हथियार (06 देशी पिस्टल) के साथ आरोपियों को पकड़ने वाले 04 पुलिसकर्मियों सहित कुल 20 पुलिस अधिकारी/ कर्मचारियों को किया सम्मानित

पुलिसिंग के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 20 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर, की उनके कार्यो की सराहना।

आदित्य शर्मा

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में आम नागरिकों के लिए बेहतर पुलिसिंग को ध्यान मे रखते हुए, इसके लिए अच्छे कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन मे साप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत ऐसे अधिकारी/ कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है, जिन्होंने पुलिसिंग के अपने कर्तव्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो। साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 24.03.26 को पलासिया स्थित कार्यालय में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले निम्न 20 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरुस्कार से सम्मानित कर बधाई दी और उन्हें आगे भी ऐसे ही बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुरस्कृत पुलिसकर्मी

आर 736 साजन डुडवे कार्यालय पुलिस उपायुक्त जोन 1, आर. 229 श्याम विश्वकर्मा थाना राजेंद्र नगर, मआर. 4244 संगीता थाना गांधीनगर - माह फरवरी 2026 मे सीएम हेल्पलाईन संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने मे सराहनीय कार्य पर। प्रआर. 3054 किशोर चौधरी, आर 282 राधेश्याम राठौर, आर 3642 कपिल सोनानिया थाना विजय नगर - सनसनीखेज चाकूबाजी की वारदात मे आरोपियो को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर। मआर 2381 सतोष दांगी - पुलिस थाना लसुडिया मे पंजीबध्द अपराध मे फरियादिया को अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे आरोपी दिखाई देने पर अकेले ही पकडने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर। आर. 1630 कपिल रावत थाना जूनी इंदौर - अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित आरोपी को गिरफ्तार कर 518 ग्राम अफीम जप्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर। आर 1871 अंकित सिंह भदौरिया थाना भवंरकुआ - संदिग्धों की चैकिंग के दौरान 02 आरोपियो को गिरफ्तार कर अवैध हथियार जप्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर।

उप निरीक्षक मुकेश झारिया, आर. 3763 कृष्णचंद्र शर्मा, आर 1127 अरुण माथुर, आर 3713 अनुराग सिंह सिकरवार - थाना व्दारकापुरी क्षेत्रांतर्गत संदिग्धों की चैकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्ति को पकडकर चैकिंग करने पर उससे अवैध हथियार 06 देशी पिस्टल व 04 जिंदा कारतुस जप्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर।

प्रआर 1827 अजय सिंह, मआर 687 चंदा जोशी, मआर 2026 रेणुका सुवासिया थाना अपराध शाखा - अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित महिला आरोपिया को मुंबई महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर 34.6 ग्राम एमडी ड्रग्स जप्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर। सउनि विरेंद्र भूरिया थाना यातायात- विजय नगर चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर। आर. 905 अनिल सिंह थाना यातायात - सीएम हेल्पलाईन संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने मे सराहनीय कार्य पर।

आर. 4413 दीपक भूरिया थाना यातायात - भवंरकुआ चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन करने व व्हील लॉक की कार्यवाही करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर।

आर. 4653 देवेंद्र पाटीदार थाना यातायात - नो एंट्री पाइंट पर भारी वाहनों का प्रवेश रोकने मे प्रभावी कार्यवाही करने मे सराहनीय भूमिका निभाने पर।

गैस की किल्लत ने मुंह फीका किया: 400 की मिठाई पहुंची 600 रुपए किलो

इंदौर। शहर में इन दिनों घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कमी ने मिठाई कारोबार को गहरे संकट में डाल दिया है। गैस की आपूर्ति बाधित होने का सीधा असर मिठाइयों के उत्पादन और कीमतों पर दिखाई दे रहा है। हालात यह हैं कि जो मिठाई कुछ दिन पहले तक 400 रुपए किलो बिक रही थी, अब उसकी कीमत 550 से 600 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

मावा बनाना हुआ महंगा, लागत बढ़ी- मिठाई बनाने में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला मावा (खोया) गैस की कमी के कारण महंगा हो गया है। पहले जहां गैस आसानी से उपलब्ध थी, वहीं अब सिलेंडर की कमी के चलते दूध को लंबे समय तक पकाकर मावा तैयार करना कठिन और महंगा हो गया है। मिठाई व्यवसायियों का कहना है कि गैस नहीं मिलने से उत्पादन लागत में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ रहा है।

कई दुकानें बंद, उत्पादन घटा- गैस संकट के चलते शहर की कई छोटी मिठाई दुकानों ने अस्थायी रूप से काम बंद कर दिया है। जो दुकानें खुली हैं, वे भी सीमित मात्रा में ही उत्पादन कर पा रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि गैस के बिना बड़े पैमाने पर मिठाई बनाना संभव नहीं है, जिससे बाजार में मिठाइयों की उपलब्धता कम हो गई है।

मांग और आपूर्ति में बड़ा अंतर- त्योहारी सीजन और शादी-ब्याह के चलते मिठाइयों की मांग लगातार बनी हुई है, लेकिन गैस की कमी के कारण आपूर्ति नहीं हो पा रही। इससे बाजार में मांग और आपूर्ति के बीच बड़ा अंतर पैदा हो गया है, जिसका फायदा कुछ जगहों पर जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले उठा रहे हैं।

ब्लैक में मिल रही गैस, बढ़े दाम- छावनी क्षेत्र के एक मिठाई दुकानदार ने बताया कि उन्हें मजबूरी में गैस सिलेंडर ब्लैक में खरीदना पड़ रहा है। उनके अनुसार, जहां सामान्य सिलेंडर 1100-1200 रुपए में मिलना चाहिए, वहीं अब 2500 से 3000 रुपए तक देना पड़ रहा है। वो भी बड़ी मुश्किल से मिल रहा है।

कारीगर लौटे गांव- गैस की कमी के चलते उत्पादन ठप होने से कई मिठाई कारीगरों को काम नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में कारीगर अपने गांव वापस लौट गए हैं। इससे दुकानों पर काम करने वाले अनुभवी हाथों की भी कमी हो गई है, जिससे उत्पादन और प्रभावित हुआ है।

प्रशासन से समाधान की उम्मीद- व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द गैस आपूर्ति सामान्य करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले समय में मिठाइयों के दाम और बढ़ सकते हैं, जिससे आम लोगों के लिए त्योहार और समारोह फीके पड़ सकते हैं। गैस संकट ने मिठाई कारोबार की मिठास छीन ली है। यदि समय रहते आपूर्ति सुचारू नहीं हुई, तो इसका असर न केवल व्यापारियों बल्कि आम उपभोक्ताओं पर भी लंबे समय तक पड़ सकता है।

शहर में फिर हुई आग लगने की घटना

● चार दुकानें जली, कार और ई रिक्शा भी हुए खाक

इंदौर। गर्मी के दिनों में जगह-जगह पर आग लगने की घटनाएं सामने आ रही है, रविवार को जहां सांवेर रोड पर स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लग गई थी, वहीं सोमवार को चोइथराम हास्पिटल के नजदीक स्थित चार दुकानें आग में जल गई। इस दौरान एक गैरेज में लगी आग से उसके अंदर रखे ई रिक्शा और कारें भी जलकर खाक हो गई। कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मी आग को बुझा पाए। फायर ब्रिग्रेड के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10.25 मिनट में सूचना मिली थी कि चोइथराम हास्पिटल के नजदीक स्थित लीक पार्क कालोनी में एक गैरेज में आग लग गई है। सूचना

मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची लेकिन तब तक गैरेज से सटी तीन अन्य दुकानें भी आग की चपेट में आ गई। आग लगने से दुकान के अंदर रखा सामान जलकर खाक हो गया। गैरेज संचालक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ ह, क्योंकि आग उसके गैराज में ही सबसे पहले ल गी थी। इस दौरान गैरेज के अंदर एक ई रिक्शा और दो कारें रखी हुई थी जो आग में जलकर खाक हो गई। इसके बाद आग ने पड़ोस में स्क्रैप दुकान को भी चपेट में ले लिया। इसके बाद आग ने पड़ोसी की इलेक्ट्रिक सामान की दुकान को भी चपेट में ले लिया और फिर लेथ मशीन की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग में चार दुकानें जलकर खाक हो गई। गैरेज संचालक को अकेले लाखों रूपए का नुकसान हुआ है। आग को बुझाने में करीब ढाई से तीन घंटे का समय लग गई। करीब 66 हजार लीटर पानी का प्रयोग कर आग को पूरी तरह बुझाया जा सका। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि किन कारणों से यहां पर आग लगी थी।

सिग्नल सिस्टम फेल, सड़कों पर जनता बेहाल : 25 सेकंड की 'हरी बत्ती' में कैसे निकले हजारों वाहन?

इंदौर। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था इन दिनों मजाक बनकर रह गई है। स्मार्ट सिटी के दावों के बीच हकीकत यह है कि सड़कों पर खड़े लोग रोज सिस्टम की नाकामी झेल रहे हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि कई प्रमुख चौराहों पर वाहन चालकों को एक बार में निकलना तो दूर, दो से तीन बार सिग्नल बदलने के बाद भी राहत नहीं मिल रही। सबसे बड़ी समस्या सिग्नल की गलत टाइमिंग है जहां रेड लाइट डेढ़ से दो मिनट तक जलती रहती है, वहीं ग्रीन सिग्नल महज 20 से 25 सेकंड के लिए दिया जा रहा है। इस 'असंतुलित सिस्टम' ने ट्रैफिक को पूरी तरह चरमरा दिया है।

प्रमुख चौराहों पर रोज बन रही 'जाम की दीवार'- एलआईजी चौराहा, पाटनीपुरा, टावर हॉस्पिटल चौराहा समेत शहर के दर्जनों पॉइंट्स पर यही हाल है। सुबह-शाम पीक ऑवर में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है। लंबी कतारें, धूप में झुलसते लोग और बढ़ता गुस्सा यही अब रोज का दृश्य बन गया है।

25 सेकंड में सिर्फ 5-10 वाहन, बाकी फिर इंतजार- इतनी कम ग्रीन टाइमिंग में मुश्किल से 5 से 10 वाहन ही निकल पाते हैं। बाकी वाहन चालकों को फिर से डेढ़-दो मिनट तक रेड सिग्नल का इंतजार करना पड़ता है। नतीजा– एक चौराहा पार करने में ही 5 से 10 मिनट तक लग रहे हैं।

जिम्मेदारों की चुप्पी, जनता का बढ़ता आक्रोश- सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। महीनों से लोग शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक केवल मूकदर्शक बना हुआ है। सवाल यह है कि आखिर किस आधार पर ये टाइमिंग तय की गई है? क्या ट्रैफिक का कोई सर्वे हुआ या बस मनमर्जी से सिस्टम चला दिया गया?

'स्मार्ट सिटी' या 'स्लो सिटी'?- जहां एक ओर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ट्रैफिक सिग्नल जैसी बुनियादी व्यवस्था तक ठीक से संचालित नहीं हो पा रही। यह सीधे तौर पर सिस्टम की लापरवाही और प्लानिंग की विफलता को उजागर करता है।

जनता की मांग- तुरंत हो सुधार-वाहन चालकों की साफ मांग है कि ट्रैफिक सिग्नल की टाइमिंग का वैज्ञानिक आधार पर पुनर्मूल्यांकन किया जाए और पीक ऑवर के हिसाब से इसे संतुलित किया जाए। वरना आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। अब सवाल सीधा है– क्या जिम्मेदार जागेंगे या यूं ही जनता सिग्नल पर खड़ी-खड़ी समय और धैर्य दोनों खोती रहेगी?

टीएल बैठक में कड़ा संदेश: काम नहीं किया तो बख्शे नहीं जाएंगे अफसर

इंदौर। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने साफ और सख्त संकेत दे दिए हैं अब लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी। समय-सीमा (टीएल) बैठक में उन्होंने अधिकारियों को दो टूक कहा कि काम में ढिलाई दिखी तो सीधी कार्रवाई तय है। कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई इस अहम बैठक में लंबित प्रकरणों और प्राथमिकता वाले मुद्दों की गहन समीक्षा की गई। खास तौर पर राजस्व मामलों पर फोकस करते हुए निर्देश दिए गए कि 28 फरवरी तक के सभी लंबित प्रकरण हर हाल में 31 मार्च 2026 तक निपटाए जाएं, इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार नहीं होगी।

राजस्व मामलों पर 'डेडलाइन का दबाव'- बैठक में साफ किया गया कि 13 मार्च से चल रहे विशेष राजस्व अभियान के तहत बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण और कब्जा विवाद जैसे मामलों को तेजी से खत्म करना होगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को चेताया कि अभियान खत्म होने तक कोई भी फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए।

सीएम हेल्पलाइन पर भी सख्ती- सीएम हेल्पलाइन और 'संकल्प से समाधान' जैसे अभियानों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि परफॉर्मेंस बेहतर हुई है, लेकिन अब लक्ष्य सिर्फ सुधार नहीं, बल्कि टॉप लेवल रिजल्ट है। शिकायतों के निपटारे में देरी करने वालों पर कार्रवाई के संकेत भी दिए गए।

बिजली विभाग को अल्टीमेटम- बिजली सुरक्षा को लेकर भी तेवर सख्त नजर आए। खंभों और डीपी पर फैले तारों के जाल को तुरंत हटाने के निर्देश दिए गए। साफ कहा गया कि अगर लापरवाही से कोई हादसा हुआ तो जिम्मेदारी तय होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया, जहां फसल कटाई के दौरान आग का खतरा ज्यादा रहता है।

दूध कारोबारियों पर शिकंजा- खाद्य सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन एक्शन मोड में है। डेयरी और दूध विक्रेताओं के यहां सघन सैंपलिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मिलावट या गुणवत्ता में कमी मिलने पर सीधे कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

'परफॉर्म करो या हटो' का साफ संदेश- बैठक में जहां बेहतर काम करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया, वहीं कमजोर प्रदर्शन करने वालों को खुली चेतावनी दी गई। कलेक्टर ने साफ कहा—अच्छा काम करने वालों को इनाम मिलेगा, लेकिन लापरवाहों पर अब सीधे एक्शन होगा। साफ है, इंदौर प्रशासन अब 'सॉफ्ट मोड' से निकलकर पूरी तरह 'एक्शन मोड' में आ चुका है।

UPSC टॉपर्स से संवाद: डॉ. मोहन यादव ने दी 'नई जिम्मेदारी' की सीख, मध्यप्रदेश के चयनित अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

'सफलता अंत नहीं, सेवा की शुरुआत' —सीएम ने ईमानदारी, नवाचार और गरीबों की सेवा को बताया असली कर्तव्य

भोपाल। राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार का माहौल 23 मार्च को तालियों की गड़गड़ाहट और प्रेरणादायक कहानियों से गूंज उठा। अवसर था 'सफलता के मंत्र' कार्यक्रम का, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाले मध्य प्रदेश के युवाओं के साथ मंच साझा किया। इस दौरान सीएम यादव ने न केवल इन प्रतिभाओं को सम्मानित किया, बल्कि उन्हें एक लोक सेवक के तौर पर उनके उत्तरदायित्वों का भी बोध कराया। कार्यक्रम की शुरुआत में चयनित अभ्यर्थियों की सफलता पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने 'प्रतिभाओं का वर्जन' पत्रिका का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि यह क्षण मध्य प्रदेश के लिए संकल्प, सामर्थ्य और ऊर्जा का है।

सीएम की युवाओं को नसीहत- ठहराव स्वीकार न करें- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सफल अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता एक नई जवाबदारी की शुरुआत है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अधिकारी बनने के बाद ठहराव को स्वीकार न करें, बल्कि निरंतर सीखते रहें और आगे बढ़ें। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उदाहरण देते हुए कहा, नेताजी ने 1923 में आईसीएस की परीक्षा में शीर्ष रैंक हासिल की थी, लेकिन उन्होंने देश सेवा के लिए नौकरी का मार्ग नहीं चुना। वह समय बलिदान का था, आज का समय देश के लिए जीने का है। सीएम यादव ने कहे - यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि एक चाय वाला देश का प्रधानमंत्री और एक गाय वाला मुख्यमंत्री बनता है। प्रतिभा हर जगह से अपना स्थान बनाती है। पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती, आप भी लगातार पढ़ते रहिए। सीएम ने कहा कि जब देश आजादी का अमृतकाल-2047 मना रहा होगा, तब ये युवा अधिकारी उच्च पदों पर आसीन होकर उस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। यह कल्पना ही आनंदित करने वाली है।

'गरीब की मदद ही आपकी सार्थकता होगी'- डॉ. यादव ने चयनित युवाओं के सामने अपनी अपेक्षाएं भी रखीं। उन्होंने कहा, मेरी आपसे पहली अपेक्षा है कि आप गरीब से गरीब व्यक्ति की मदद करें, तभी आपका चयनित होना सार्थक होगा। दूसरी अपेक्षा नवाचार और आत्मनिर्भरता की है। उन्होंने युवाओं को ईमानदारी और सत्य का मार्ग कभी न छोड़ने की सलाह देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और विकसित भारत का शिल्पकार बनने के लिए प्रेरित किया। सीएम ने कहा कि शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारने का अवसर इन्हीं युवाओं को मिलेगा। कार्यक्रम में ईशान भटनागर, प्राची चौहान समेत दर्जनों सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें अक्षत बलदवा (दृष्टि दिव्यांग), दीक्षा पाटकर, सोफिया सिद्दीकी, आयुष स्वामी, और दीपक कोरकू जैसे कई नाम शामिल थे, जिन्होंने प्रदेश के छोटे-छोटे शहरों से निकलकर देश की सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की है। कुछ अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति में उनके परिजनों ने यह सम्मान ग्रहण किया।

एम्स भोपाल में इफ्तार कार्यक्रम पर विवादः बजरंग दल का प्रदर्शन, प्रशासन से स्पष्टीकरण और कार्रवाई की मांग

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स भोपाल में आयोजित इफ्तार कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मामला सामने आने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग की। बजरंग दल कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हाल ही में एम्स परिसर में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। उनका कहना है कि यदि अस्पताल परिसर में इस प्रकार का आयोजन संभव है, तो वर्तमान में चल रहे नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन और हनुमान चालीसा पाठ की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता 'जिहाद बंद करो' और 'अस्पतालों का इस्लामीकरण बंद हो' जैसे पोस्टर लेकर पहुंचे और एम्स प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की। बजरंग दल के प्रांत संयोजक पंडित अवधेश तिवारी ने आरोप लगाया कि राम नवमी, हनुमान जयंती जैसे अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर इस तरह की अनुमति नहीं दी जाती, जबकि इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि मामले में दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

भोपाल-नागपुर हाईवे पर 'अवैध वसूली' का आरोपः उमंग सिंघार ने सरकार से मांगी जांच और कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में नाकों पर अवैध वसूली को लेकर राजनीतिक माहौल एक बार फिर गरमा गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि प्रदेश में अवैध वसूली बंद होने के सरकारी दावे जमीनी हकीकत से बिल्कुल उलट हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल नागपुर हाईवे पर स्थित ससुन्द्रा बैरियर पर 'बंद' घोषित की जा चुकी जांच चौकी के नाम पर आज भी खुलेआम वसूली जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रक चालकों और अन्य भारी वाहनों से 300 से 500 तक की राशि वसूली जा रही है, जबकि इस तरह की जांच चौकियों को सरकार पहले ही समाप्त कर चुकी है। उन्होंने पूरे मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

उमंग सिंघार ने लगाया अवैध वसूली का आरोप- भोपाल-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैतूल जिले के मुलताई के पास स्थित ससुन्द्रा बैरियर पर एक बार फिर अवैध वसूली का आरोप सामने आया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश में जांच चौकियां बंद होने के बावजूद यहां ट्रक चालकों से खुलेआम पैसे वसूले जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि 'लाखों की यह रकम आखिर किसके खाते में जा रही है? क्या पूरा सिस्टम ही इस अवैध कमाई की 'मलाई' खा रहा है?'

मिलीभगत की आशंका- नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस अवैध वसूली के छिलए सरकारी कर्मचारियों के बजाय निजी व्यक्तियों को तैनात किया गया है, जो बैरिकेड्स लगाकर वाहनों को रोकते हैं। वाहन चालकों के पास सभी वैध दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें आगे बढ़ने से रोका जाता है और बिना किसी रसीद के पैसे लिए जाते हैं। इससे न सिर्फ ट्रांसपोर्टरों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि परिवहन व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। उमंग सिंघार ने कहा कि इस बैरियर से हर महीने लाखों रुपये की अवैध कमाई की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रदेशभर में चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं तो यह वसूली आखिर किसके संरक्षण में चल रही है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कहीं न कहीं इस पूरे मामले में सिस्टम के अंदर की मिलीभगत हो सकती है।

जांच की मांग- उमंग सिंघार ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाया था लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना यह दर्शाता है कि प्रशासन इस मामले को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह समस्या सिर्फ एक स्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि मध्यप्रदेश के विभिन्न हिस्सों से इसी तरह की अवैध वसूली की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। ट्रक ड्राइवरों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस कारण रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से सीधे सवाल करते हुए कहा कि 'क्या यही सुशासन है?' इसी के साथ उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

साम्राज्यवाद के प्रतिरोध हेतु प्रेरक है भगत सिंह का चिंतन

भोपाल। महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहादत दिवस को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने 'साम्राज्यवाद विरोधी दिवस' के रूप में मनाया। भाकपा के देशव्यापी आह्वान के तहत भोपाल में 23 मार्च को स्थानीय इतवारा क्षेत्र में आयोजित प्रदर्शन में 'भगत सिंह की शहादत को लाल सलाम', 'इंकलाब जिंदाबाद', 'साम्राज्यवाद मुर्दाबाद' और 'पूंजीवाद मुर्दाबाद' के गगनभेदी नारों के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाकपा मध्य प्रदेश के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने कहा कि महान क्रांतिकारी भगत सिंह की शहादत का उद्देश्य केवल भारत की आज़ादी तक सीमित नहीं था, बल्कि वे देश की जनता को साम्राज्यवाद और पूंजीवाद के शोषण तंत्र से भी मुक्ति दिलाना चाहते थे।

उन्होंने कहा कि भगत सिंह के 'इंकलाब' का अर्थ साम्राज्यवाद और पूंजीवाद के खिलाफ जनता को एकजुट करना भी था। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में अमेरिकी साम्राज्यवाद और राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियों से पूरी दुनिया प्रभावित है। ऐसे समय में साम्राज्यवाद के प्रतिरोध और उसके खिलाफ जनता को संगठित करने के लिए भगत सिंह का क्रांतिकारी चिंतन अत्यंत प्रेरक और प्रासंगिक है। साम्राज्यवाद का प्रतिरोध करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। एटक प्रदेश महासचिव कॉमरेड शिवशंकर मौर्य ने कहा कि अमेरिकी साम्राज्यवाद के प्रभाव में कार्य कर रही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों में फासीवादी प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, जिसका कड़ा प्रतिरोध आवश्यक है। वहीं कॉमरेड बालकृष्ण नामदेव ने भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस प्रदर्शन में फिदा हुसैन, लाखन सिंह रघुवंशी, नवाब उद्दीन, महफूज अल्तमश, इब्राहिम, शेर सिंह, जितेंद्र, जब्बार भाई, सईद खान, जमुना प्रसाद, शकील, लाल सिंह चड्ढा, दीपक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की

समृद्ध विरासत से परिचित कराना जरूरी

● बोले-प्रदेश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना होगा ● कहा-भोपाल में सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को होगी नई दिल्ली की 26 जनवरी जैसी परेड

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने हर मौके और मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है। देश के हर व्यक्ति और परिवार के लिए भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परंपरा से जुड़ना गर्व का विषय है। प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध सैन्य विरासत से परिचित कराने और प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को भोपाल में विशेष परेड आयोजित की जाएगी। भोपाल में सेना दिवस पर होने वाले इन कार्यक्रमों में शामिल होने का अनुभव, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाले कार्यक्रमों के समान होगा।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को सशक्त करेंगे

सेना दिवस सेना दिवस प्रतिवर्ष 15 जनवरी को जनरल केएम करियप्पा द्वारा वर्ष 1949 में भारतीय सेना के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल सर एफआरआर बुचर से भारतीय सेना की कमान संभालने की याद में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को सशक्त करने और सेना व नागरिकों के संबंधों को सुदृढ़ करते हुए भारतीय सेना में राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयोजनों के विकेन्द्रीकरण की यह पहल वर्ष 2023 से आरंभ हुई। ऐसे आयोजन देश के लिए शहीद हुए शूरवीरों का स्थानीय स्तर पर सम्मान करने और उन्हें याद करने का भी अवसर देते हैं। सेना दिवस पर इस प्रकार की पहली परेड बैंगलुरु में वर्ष 2023 में, लखनऊ में 2024 में, पुणे में 2025 में और 2026 में जयपुर में आयोजित की गई। इन आयोजनों से युवाओं को भारतीय सेना में सेवाएं देने के लिए प्रेरित करने में भी मदद मिली है। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान आदि उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई सैन्य अधिकारियों की बैठक में सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आगामी सेना दिवस 15 जनवरी को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शौर्य संध्या, सेना के हथियारों संसाधनों और उपकरणों पर केंद्रित प्रदर्शनी तथा सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन भी होगा। सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा। सभी गतिविधियां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों की भव्यता और गरिमा के समान संचालित की जाएगी। कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। यह आयोजन भारतीय सेना की समृद्ध वीरता और सैन्य परंपरा के प्रदर्शन, सैन्य परेड से जन-जन को जोड़ने, सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं पारस्परिक विश्वास की भावना विकसित करने और युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि सेना दिवस 15 जनवरी 2027 पर होने वाले इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से होगी। स्थापना दिवस पर मेरी माटी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिट्टी लाकर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष लगाया जाएगा। सेना दिवस 15 जनवरी की परेड के लिए 9,11 और 13 जनवरी को अभ्यास होगा। इसी प्रकार 15 जनवरी की शौर्य संध्या के लिए 11 और 13 जनवरी को अभ्यास का क्रम रखा गया है। सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक होगा। भोपाल के बड़े तालाब में 11 और 12 जनवरी को सैन्य अभ्यास होगा।

हरियाणा में बेकाबू टैंकर ने 7 को रौंदा,3 की मौत

● सड़क पर बिखरीं लाशें,फ्लाईओवर के 2 पिलर के बीच फंसकर रुका

झज्जर (एजेंसी)। हरियाणा के झज्जर में सोमवार की दोपहर एक कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले टैंकर ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को कुचला। इसके बाद भी ड्राइवर नहीं रुका और तेज गति से कैंटर दौड़ा दिया। इसी भागमभाग में कई और लोगों को भी चपेट में ले लिया। इनमें एक और बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि चपेट में आकर ऑटो सवार महिला समेत चार घायल हो गए। इसके बाद बेकाबू कैंटर फ्लाईओवर के दो पिलर के बीच फंस कर रुक गया तो ड्राइवर कूदकर कर फरार हो गया।

14 केजी के सिलेंडर में

10 केजी घरेलू गैस देने की तैयारी

● दाम भी घटेंगे,ईरान युद्ध के चलते तेल कंपनियों का स्टॉक बचाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी तेल कंपनियां अब घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की तैयारी कर रही है। इसका मकसद लिमिटेड स्टॉक को ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाना है। इसके साथ ही सिलेंडर के दाम भी कम किए जा सकते हैं। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच हाल ही में ईरान ने मिडिल-ईस्ट में ऊर्जा ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इससे प्लांट को हुए नुकसान और होर्मुज रूट बंद होने से भारत में एलपीजी गैस की किल्लत आगे और भी बढ़ सकती है। इस कारण तेल कंपनियों ने ये फैसला लिया है।

सिलेंडर के दाम भी घटेंगे, पहचान के लिए स्टिकर लगेगा- अगर यह योजना लागू होती है, तो सिलेंडर की कीमतें भी उसी अनुपात में कम की जाएंगी। अभी दिल्ली में 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत 913 और मुंबई में 912.50 है। 10 किलो गैस मिलने पर ग्राहकों को कम पैसे चुकाने होंगे।

बॉटलिंग प्लांट्स में होगा बदलाव,सिस्टम रीकैलिब्रेट करने की जरूरत- इस बदलाव को लागू करना इतना आसान भी नहीं है। बॉटलिंग प्लांट्स को अपने वजन करने वाले सिस्टम को फिर से सेट करना होगा। साथ ही इसके लिए कई रेगुलेटरी मंजूरियों की भी जरूरत पड़ेगी।

10 केजी गैस से एक महीना काम चलेगा

रिपोर्ट के मुताबिक, तेल कंपनियों का मानना है कि 14.2 किलो का सिलेंडर औसतन 35 से 40 दिन चलता है। अगर इसमें सिर्फ 10 किलो गैस भरी जाए, तो एक परिवार का काम लगभग एक महीने तक चल जाएगा। इससे जो गैस बचेगी, उसे उन घरों तक पहुंचाया जा सकेगा जहां अभी किल्लत है। कंपनियों के पास फिलहाल विकल्प कम बचे हैं, क्योंकि खाड़ी देशों से नई खेप नहीं आ रही है।

प्रयागराज में बड़ा हादसा

4 मजदूरों की मौत

● सपा नेता के कोल्ड स्टोरेज की दीवार ढहने से हुआ हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक कोल्ड स्टोरेज की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे अब तक 4 मजदूरों की मौत हो गई है। घटना के समय वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे में दब गए थे। जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। चांदपुर के पूर्व विधायक का कोल्ड स्टोरेज बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दीवार गिरने से पहले तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिसके बाद पूरी दीवार अचानक ढह गई। जानकारी के मुताबिक, हादसे की वजह अमोनिया गैस की पाइप फटना बताई जा रही है। पाइप फटने के बाद गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई। अमोनिया गैस के रिसाव के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त करीब 20 मजदूर कोल्ड स्टोर के अंदर काम कर रहे थे। दीवार गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद जब बचाव टीम और रेस्क्यू टीम पहुंची तो गुस्साए ग्रामीणों ने एंबुलेंस पर पथराव कर दिया। इस दौरान पुलिस से तीखी नोक-झोंक भी हुई। अभी तक 4 शव बरामद हुए हैं। जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

रंधावा सुसाइड केस में पूर्व एएपी मंत्री गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस में आम आदमी पार्टी सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि भुल्लर को फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। वहीं, रंधावा का अभी तक पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ। उनकी लाश अमृतसर के अस्पताल में रखी गई है। आज एसीपी रविंदर पाल सिंह टीम के साथ परिजनों से डीएम का मोबाइल फोन लेने गए। उन्होंने कहा कि उसमें कुछ सबूत हो सकते हैं।

अमेरिका को सबक सिखाने की तैयारी में शिया देश ईरान

● अब समुद्र के नीचे तबाही मचाने की दे दी वॉर्निंग

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका को सबक सिखाने के लिए ईरान एक घातक कदम उठाने की तैयारी में है। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके तटीय क्षेत्रों या द्वीपों पर हमला किया गया तो वह पूरी फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाकर सभी समुद्री मार्गों को बंद कर देगा। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की रक्षा परिषद ने कहाकि गैर-युद्धरत देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने का एकमात्र तरीका ईरान के साथ समन्वय करना होगा। परिषद ने कहाकि ईरान के तटों या द्वीपों पर अगर किसी भी दुश्मन देश ने हमला किया तो फारस की खाड़ी और तटीय क्षेत्रों के सभी रास्तों और संचार लाइनों को विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगों से भर दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि ऐसी स्थिति में पूरी फारस की खाड़ी प्रभावी रूप से बंद हो जाएगी। इसकी जिम्मेदारी अमरीका की होगी।